एमएमपीएच -004

मास्टर ऑफ़ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (MBA) / मास्टर ऑफ़ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (ऑनलाइन) MBA(OL) / मास्टर ऑफ़ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट) (MBAHM) / पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (PGDIHRM)

सत्रीय कार्य

2026-2027

जुलाई 2026 और जनवरी 2027 सत्र

एमएमपीएच -004: औद्योगिक एवं रोजगार संबंध

(सत्रीय कार्य को जमा करने के लिए जुलाई 2026 सत्र के लिए अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 है और जनवरी 2027 के लिए 30 अप्रैल 2027 है)

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली –1100 68

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एमएमपीएच -004**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**औद्योगिक एवं रोजगार संबंध**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**एमएमपीएच -004 /टी. एम. ए./ जुलाई /2026-27**

नोट: सभी प्रश्नों का उत्तर दीजिए तथा यह सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को जमा कीजिए। जुलाई 2026 सत्र हेतु अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 तथा जनवरी 2027 सत्र हेतु 30 अप्रैल 2027 है।

1. वैश्वीकरण, डिजिटलीकरण तथा गिग कार्य (Gig Work) के युग में औद्योगिक संबंधों के पारंपरिक संघर्ष-केंद्रित ढाँचे से रणनीतिक रोजगार संबंध (Strategic Employment Relations) दृष्टिकोण की ओर हुए परिवर्तन का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक समकालीन औद्योगिक संबंधी रूपरेखा तैयार कीजिए, जो संगठनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता, कर्मचारी कल्याण तथा श्रम अधिकारों के मध्य संतुलन स्थापित कर सके।

2. "आधुनिक रोजगार परिदृश्य में श्रमिक संगठन (Trade Unions) अपनी पहचान के संकट का सामना कर रहे हैं।"इस कथन का प्लेटफ़ॉर्म आधारित कार्य (Platform Work), संविदात्मक रोजगार (Contractual Employment), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) तथा लचीले श्रम बाज़ारों के संदर्भ में समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। ऐसे भावी श्रमिक संगठन मॉडल का विकास कीजिए जो डिजिटल माध्यमों से संचालित तथा गैर-पारंपरिक कार्यस्थलों में भी प्रासंगिक बना रहे तथा साथ ही श्रमिक प्रतिनिधित्व एवं संगठनात्मक सहयोग को बनाए रख सके।

3. एक विशाल विनिर्माण संगठन तकनीकी पुनर्संरचना की प्रक्रिया के दौरान वेतन विवादों, घटती उत्पादकता तथा प्रबंधन एवं कर्मचारियों के मध्य बढ़ते अविश्वास की समस्या का सामना कर रहा है। औद्योगिक संबंध परामर्शदाता के रूप में स्थायी औद्योगिक सौहार्द स्थापित करने हेतु सामूहिक सौदेबाजी (Collective Bargaining) एवं वार्ता (Negotiation) की एक व्यापक रणनीति तैयार कीजिए। सौदेबाजी संरचनाओं, वार्ता तकनीकों तथा दीर्घकालिक रोजगार संबंधों के परिणामों के संदर्भ में अपने दृष्टिकोण का समालोचनात्मक औचित्य प्रस्तुत कीजिए।

4. कार्यबल की विविधता, दूरस्थ कार्य (Remote Work) तथा डिजिटल निगरानी (Digital Surveillance) से युक्त समकालीन संगठनों में पारंपरिक शिकायत-निवारण (Grievance Handling) एवं अनुशासनात्मक तंत्रों की प्रभावशीलता का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। एक समेकित शिकायत निवारण एवं अनुशासन प्रबंधन रूपरेखा तैयार कीजिए, जो प्रक्रियात्मक न्याय, कर्मचारी विश्वास, नैतिक शासन तथा संगठनात्मक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करे।

5. औद्योगिक संघर्ष आज के समय में आर्थिक असमानता, तकनीकी व्यवधानों तथा बदलते रोजगार संबंधों से अत्यधिक प्रभावित हो रहा है। समकालीन संगठनों में औद्योगिक संघर्ष के प्रमुख कारणों एवं परिणामों का मूल्यांकन कीजिए। ऐसा बहुआयामी संघर्ष-निवारण मॉडल तैयार कीजिए जो श्रम कानून, सहभागी प्रबंधन, सामाजिक संवाद तथा निवारक औद्योगिक संबंध रणनीतियों को एकीकृत करते हुए कार्यस्थल पर स्थायी सौहार्द एवं सामंजस्य स्थापित कर सके।